हरियाणा के मंत्री श्री ए.सी. चौधरी पत्रकार सम्मेलन के दौरान पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए। (छाया : कमलजीत)

एजेंटों की बिचौलगी समाप्त होगी

शिक्षा व रोज़गार के लिए हरियाणा सरकार भेजेगी युवाओं को विदेश

चंडीगढ़, 19 दिसम्बर (नरेन्द्र जग्गा) : उच्च शिक्षा व रोज़गार के लिए विदेश में जाने वाले युवकों को एजेंटों को लूट से बचाने के लिए बिचौलगी का काम अब हरियाणा सरकार ने शुरू कर दिया है। युवकों को परेशानी से बचाने के लिए विदेशी व भारतीय कंम्पनियों से समझौता हरियाणा सरकार करेगी। आज सरकार के संगठन ओवरसीज़ प्लेसमैंट ब्यूरो व मोदी हैल्थ केयर प्लेसमैंट के मध्य एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए। इधर विदेशों से 486 तकनीकी कर्मचारियों की आई मांग पर हरियाणा सरकार ने काम शुरू कर दिया है। आज हरियाणा भवन में इस संदर्भ में प्रेस कांफ्रैंस का आयोजन किया गया, जिसमें हरियाणा के श्रम एवं रोज़गार मंत्री श्री ए.सी. चौधरी, संसदीय सचिव कुमारी शारदा राठौड़, वित्त सचिव (श्रम एवं रोज़गार), निर्देशक श्री कृष्ण कुमार, मोदी संस्थान की तरफ से चारू मोदी इत्यादि शामिल हुए।

कांफ्रैंस में अपने सम्बोधन में रोज़गार मंत्री ने बताया कि हरियाणा के शिक्षा व रोज़गार मंत्री ने बताया कि हरियाणा के शिक्षा व रोज़गार को विदेशों में प्राप्त करने वाले युवक-युवतियों को परेशानी एवं लूट से बचाने के लिए ही राज्य के 61 रोज़गार केन्द्रों में ओवरसीज़ प्लेसमैंट ब्यूरो की स्थापना की गई है। उनके अनुसार हरियाणा सरकार विदेशों से आई तकनीकी इत्यादि कर्मचारियों की मांग पर सत्यता व संस्था के स्तर की जांच करवाती है ताकि विदेश में उच्च शिक्षा व रोज़गार प्राप्त करने के लिए जाने वाले लोग एजेंटों के गलत हाथों में न जा सकें। मंत्री श्री चौधरी के अनुसार ब्यूरो के मार्फत विदेश जाने वाले युवक-युवतियों के लिए विदेशी संस्थानों के साथ हरियाणा सरकार ही समझौता करेगी ताकि विदेश में युवक-युवतियों को किसी प्रकार के शोषण, परेशानी का शिकार न होना पड़े। शिक्षार्थियों के साथ विदेशों में धोखा न हो, इसके लिए विदेशी शिक्षा संस्थानों के साथ सीधी बात सरकार ही करेगी।

मंत्री के अनुसार ऐसा प्रयास करने वाला हरियाणा देश का प्रथम राज्य है। उन्होंने बताया कि विदेशों से 486 पदों की मांग कैनेडा से आई है, जिसमें इलैक्ट्रीशियन, क्रेन आप्रेटर, आयरन वर्कर, फिटर, मैकेनिक, चालक इत्यादि मांगे गये हैं और हरियाणा सरकार विदेश जाने वाले युवक-युवतियों को वहां की संस्कृति के बारे में मूल संक्षेप जानकारी दी जायेगी ताकि वहां उन्हें कोई परेशानी न हो। मंत्री के अनुसार कुवैत से भी 268 कर्मचारियों की मांग आई है। श्री चौधरी के अनुसार वास्तव में विदेशी शिक्षा व रोज़गार संस्थान हरियाणा के युवक-युवतियों को कम प्राथमिकता देते हैं, क्योंकि हरियाणा के युवक-युवतियां अंग्रेज़ी में तंग हैं। युवक-युवतियां बोलचाल व अंग्रेज़ी में निपुण हो सके, इसके लिए सरकार ने टेलेंट रिसर्च केन्द्र खोले हैं, जहां युवाओं को प्रतिभा प्रकट करने के प्रशिक्षण दिये जायेंगे।

मोदी हैल्थ केयर प्लेसमैंट के साथ हुए समझौते का जिक्र करते हुए मंत्री श्री चौधरी ने बताया कि फिलहाल मोदी संस्थान नर्सों को प्रशिक्षित करके अमरीका में भेजेगा जबकि बाद में पंचकूला के अतिरिक्त मोदी संस्थान ऐसे प्रशिक्षण केन्द्र फरीदाबाद, रोहतक व हिसार अथवा यमुनानगर में भी खोलेंगा। उन्होंने बताया कि शिक्षा के लिए ऋण एच.डी.एफ.सी. बेहद कम ब्याज़ दर पर देगी। मोदी संस्थान की प्रतिनिधि चारू मोदी ने बताया कि भारत में नर्सों का वार्षिक वेतन 36 हज़ार से 1.80 लाख रुपए है।